



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 560] नई दिल्ली, सोमवार, विसम्बर 27, 1976/पौष 6, 1898

No. 560] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 27, 1976/PAUSA 6, 1898

इस भाग में अलग संलग्न वाली जाती हैं जिससे कि यह अलग संलग्न के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 27th December 1976

S.O. 833(E)/18FB/IDRA/76.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 426(E)/18AA/IDRA/74, dated the 8th July, 1974, the management of the chemical unit of the industrial undertaking known as Messrs. Association Industries (Assam) Ltd., Chandrapur (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period upto and inclusive of the 7th of July, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, the chemical industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured

liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such... industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F. 25/9/72-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(श्रीद्वयोगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1976

का० फा० 838(ब) / 18एकड़ी/श्राई०शार०प०/78.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीद्वयोगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 426 (ई) / 18कक/ श्राई०डी शार०ए/ 74-तारीख 8 जुलाई 1974 द्वारा, मैसर्स एसोसिएटेड इण्डस्ट्रीज (असम) स्लिमिटेड, चन्द्रपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रीद्वयोगिक उपक्रम कहा गया है) नामक श्रीद्वयोगिक उपक्रम के रासायनिक एकक का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन, 7 जुलाई, 1979 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिये प्रहण करलिया गया है।

अतः यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि अनुसूचित उद्योग अर्थात् रसायन उद्योग, उत्पादन की मात्रा में कमी को रोकने की दृष्टि से नसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 18 चब की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह धोषित करती है कि इस आदेश के निकाले जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रत्यृत सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरणपत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, चाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उन से भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायितों से सम्बन्धित हों), जिनमें कि उक्त श्रीद्वयोगिक उपक्रम या वह कम्पनी जो ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखती है, पक्षकार है अथवा जो ऐसे से श्रीद्वयोगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं, का प्रबंधन एक वर्ष के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन श्रीद्वयोगिक उद्योग उद्भूत होने वाले सभी अधिकार विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे।

[सं० फा० 25(9)/72-सी० य० सी०]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार भूतपूर्व श्रीद्वयोगिक उपक्रम का प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा मार्गित तथा
नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976